

12/11/26

पञ्जावली देस डै। पञ्जावली पर बहल कुनीनी  
पञ्जावली क इयलोकन लिपि अछि। कुफरस स  
इलीनोटे हारा स्वीप का नाम पानो नी लान पर  
पन्नी बरि लिपि जाने का नियत लिपि अछि।

बकील इलीनोटे कइत का मनन लिपि  
गना पञ्जावली का इयलोकन लिपि अछि। पञ्जावली  
सं उच्छुत। इलावेजाल भवा - भाधर कां। नगधात  
कां, बरि कां कुक, पञ्जावली - पछ, शयन कां सारि  
सं इलीनोटे का नाम पन्नी बरि लिपि है इले  
सरपंत्य भात पंचाभत इजगत हास नी इलीनोटे  
का नाम पन्नी माना है।

अतः अकील अलीनोटे स्वीकृत की  
जावत तदलीनोटे, कयौली का सादेक डिप  
जात है। लि नामोतलय सेवक 506 दिनांक  
4/12/2010 गाम हजगर का नियत लिपि  
जावत विधिक कारिलाना नी जोय कर पुछ।  
मागानापक कां करे व इलीनोटे का नाम रकार  
विकरि है पाना के लानि कर पन्नी बरि लिपि  
जात। पञ्जावली कुशल शुभत देखत नेव है क  
देकर कारिलाने कर है। सादेक कुनाक गमा।

2011  
अधिकारी  
करौली (सजग)

